

अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.



परीक्षा सत्र : अप्रैल-मई 2026

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : तबला / पखावज

दि. 19/04/2026 समय : 3 घंटे (दोपहर : 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना :

1) किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

2) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1) अ) सही पर्याय चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। (05)

- 1) साडेचार मात्रा बोलों का पल्ला और $\frac{1}{4}$ मात्रा दम की तिहाई
----- मात्रा ताल में बजती है।
(12, 14, 16)
- 2) ----- जी ने फरमाईशी के पर्यायवाची रूप में आदेशी परन शब्द को प्रचलित किया।
(कंठे महाराज, स्वामी रामशंकर, पागलदास, पुरुषोत्तमदास पखावजी)
- 3) ताल-ठेके की अंतिम मात्रा पर ----- की बंदिश पूरी होती है।
(मुखड़ा, मोहरा, गत)
- 4) धी ना धी धी ना यह बोल ----- ताल में बजाता है।
(आडाचौताल, रुपक, पंचमसवारी)
- 5) छब्बीस मात्रा बोलों का एक पल्ला और 1 मात्रा का दम ऐसी चक्रदार रचना
----- में बजती है।
(तीनताल-झपताल, झपताल-एकताल, झपताल-पंचमसवारी)

ब) सही / गलत लिखें।

(05)

- 1) त्रिपुष्कर का आंकिक भाग, मृदंग नाम, मृदंग नाम से लोकप्रिय हुआ।
- 2) सूलताल में 'धा' बोल दो बार आता है।

- 3) सोलह मात्रा ताल में पाँचवी मात्रा से शुरु होनेवाली तिहाई दस मात्रा ताल में भी बजती है।
- 4) 'तीट' यह बोल खुला बाज में आता है।
- 5) ठेके से नाता दर्शानेवाला वादनप्रकार पेशकार है।

क) सही जोड़ियाँ बनाए।

(05)

तबला छात्रों के लिए

अ

- अ) इनाम अलिखाँ
- ब) करामतुल्लाखाँ
- क) कंठे महाराज
- ड) मुनीर खाँ
- इ) गामे खाँ

ब

- 1) दिल्ली घराना खलिफा
- 2) 24 गुरु
- 3) कलकत्ता आकाशवाणी कलाकार
- 4) शिष्य किशन महाराज
- 5) शिष्य सुधीर माईणकर

पखावज छात्रों के लिए

अ

- अ) माधवराव अलगुटकर
- ब) पुरुषोत्तमदास
- क) सखारामजी गुरव
- ड) नाथव्दार
- इ) नाना पानसे

ब

- 1) मृदंग-तबला शिक्षा पुस्तक
- 2) सुदर्शन ताल के रचनाकार
- 3) अनुलोम विलोम परन
- 4) भारतीय कला केंद्र दिल्ली
- 5) अमीरहुसेन खाँसाहेब
के साथ जुगलबंदी

प्र.2) तबला अथवा पखावज की उत्पत्ती एवं विकास पर
प्रकाश डालिए।

(15)

प्र.3) खुलाबाज और बंद बाज की जानकारी देकर (7+8=15)
उनके आधारपर घरानोंके नाम बताइए। अपने पाठ्यक्रम के किसी
एक घराने की विस्तृत जानकारी लिखे।

प्र.4) धाऽतीरकीटतक तीरकीट अथवा तकधुमकिटतक इस बोल (15)
समूह से रियाज में उपयुक्त पंक्तियाँ बनाकर उससे दायाँ बायाँ का
संतुलन किसप्रकार बनता है विस्तारसे लिखे।

प्र.5) पेशकार, कायदा, रेला इन रचनाओंका तबलावादन में क्यों (15)
महत्त्व है विस्तृत समझाइए।

अथवा

रेला, स्तुतीपरन, आदेशी परन इन रचनाओंका पखावज वादन में
क्यों महत्त्व है विस्तृत समझाइए।

प्र.6) निम्नलिखितमें से किन्हीं तीन तालवादकों का जीवन (5x3=15)
परिचय और सांगीतिक योगदान की जानकारी लिखे।

- | | |
|-----------------------|----------------|
| 1) पं.सखारामजी गुरव | 2) उ.गामे खाँ |
| 3) पं.माधवराव अलगुटकर | 4) उ.मुनीर खाँ |
| 5) पं.पुरुषोत्तम दास | 6) उ.सलारी खाँ |

प्र.7) दमदार तिहाई और बेदम तिहाई की (1 $\frac{1}{2}$ + 1 $\frac{1}{2}$ + 12=15)
परिभाषा लिखकर निम्नलिखित तिहाई लिपीबद्ध करें।

- 1) सोलह मात्रा ताल में बेदम तिहाई।
- 2) दस मात्रा ताल में बेदम तिहाई। (पलुस्कर ताललिपी में)
- 3) सात/चौदह मात्रा में दमदार तिहाई। (पलुस्कर ताललिपी में)

Exam : Visharad Pratham (Second Paper)

Subject : Tabala / Pakhavaj

Date : 19/04/2026

Timing : 2 pm to 5 pm

Total Marks - 75

Note : 1) Solve any five questions.

2) All questions carries equal marks.

Q.1) A) Choose the correct answer and fill in the blanks. (05)

- 1) Syllables of one palla of four and half matra and pause will have $\frac{1}{4}$ matra tihai played in ----- matra tal. (12, 14, 16)
- 2) ----- coined the word Adeshi Paran as an alternative for farmaishi.
(Kanthe Maharaj, Swami Ramshankar Pagaldas, Purushottamdas Pakhawaji)
- 3) The composition of a ----- is completed on the last matra of the tal theka.
(Mukhada, Mohara, Gat)
- 4) Syllables Dhi Na Dhi DhiNa is played in -----
(Adachowtal, Rupak, Pancham Sawari)
- 5) Twenty six matras syllables of one palla and pause have 1 matras chakradar composition is played in -----
(Teental-Zaptal, Zaptal-Ektal, Zaptal-Pancham Sawari)

B) Write True / False.

(05)

- 1) The Aankik part of Tripushkar became popularly known as Mrudang.

- 2) 'Dha' syllable in Sultal comes twice.
- 3) The tihai, which starts from the 5th matra of 16 matra tal, also plays in Ten matra tal.
- 4) Tit syllable comes in the Khula Baj.
- 5) The type of playing that demonstrates a connection with the theka is called Peshkar.

C) Match the pairs.

(05)

For Tabla Students.

A

- a) Inam Alikhan
- b) Karamatulla Khan
- c) Kanthe Maharaj
- d) Munir Khan
- e) Game Khan

B

- 1) Khalifa of Delhi Gharana
- 2) 24th teachers
- 3) Staff Artist of Kolkatta AIR
- 4) Disciple Kishan Maharaj
- 5) Disciple Sudhir Mainkar

For Pakhawaj Student

A

- a) Madhavrao Algutkar
- b) Purushottamdas
- c) Sakhamamji Gurav
- d) Nathdwar
- e) Nana Panse

B

- 1) Book Mrudang Tabla Shikcha
- 2) Composer of Sudarshan Tal
- 3) Anulom Vilom paran
- 4) Bhartiya Kala Kendra Delhi
- 5) Jugalbandi with Amir Hussain

Q.2) Light on the Origin and development of Tabla / Pakhwaj.

(15)

Q.3) Provide information about Khula Baj and Band Baj and based on that, mention the names of schools. Write detailed information about any one school from your curriculum.

Q.4) Write in detail about how the syllable group Dha S tir kit tak Tirkita or Takdhum Kittak is used to create suitable phrases in riyaj and how it helps to balance the Dayan and Bayan. (15)

Q.5) Write in detail why are Peshkar, Kayda, Rela compositions important in Tabla Recital? (15)

OR

Write in detail why are Rela, Stutiparan, Adeshiparan compositions important in Pakhawaj Recital?

Q.6) Write any three life sketches and contribution to music of following percussion players. (5x3=15)

- 1) Pt. Sakharamji Gurav 2) Ustad Game Khan
- 3) Pt. Madhavrao Algutkar 4) Ustad Munir Khan
- 5) Pt. Purashottamdas 6) Ustad Salari Khan

Q.7) Write definition Damdor Tihai (1-½+1-½+12=15) and Bedam Tihai and also following Tihai Notation.

- 1) Bedam Tihai in 16 matra tal.
- 2) Bedam Tihai in 10 matra tal. (Paluskar Tal System)
- 3) Damadar Tihai in 7/14 matra tal. (Paluskar Tal System)